मेरी सलहज की मदभरी जवानी के मजे-2

“मैंने अपनी सलहज को अपनी बीवी के हाथ से दो सैट ब्रा पैन्टी के गिफ्ट किए थे. फिर उसके बारे में सोच सोच कर मेरा लंड गर्म हो गया था. मेरे लंड को सलहज की चूत में जाने का मौक़ा कैसे मिला ? ...”

Story By: (james5)
Posted: Thursday, June 6th, 2019
Categories: रिश्तों में चुदाई
Online version: मेरी सलहज की मदभरी जवानी के मजे-2

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मेरी सलहज की मदभरी जवानी के मजे-2

 यह कहानी सुनें
मेरी सेक्सी हिंदी स्टोरी के पहले भाग
मेरी सलहज की मदभरी जवानी के मजे-1
में अब तक आपने पढ़ा कि मैंने अपनी सलहज को दो सैट ब्रा पैन्टी के गिफ्ट किए थे. फिर उसके बारे में सोच सोच कर मेरा लंड गर्म हो गया था.
अब आगे :

दोपहर का खाना खाकर काजल और दोनों माँ बेटी ने बाजार में जाकर शॉपिंग करने का प्लान बनाया. उन्होंने काजल को भी चलने के लिए कहा.
इस पर काजल बोली- मुझे तो कुछ लेना नहीं है, इसलिए आप दोनों ही चले जाओ.

मेरी वाइफ और सासू जी बाजार निकल गईं. मैं और काजल टीवी देख रहे थे. थोड़ी देर बाद काजल उठी और बाहर से सूखे कपड़े लेकर आई और मेरी तरफ मुस्कुराकर देखते हुए ऊपर चली गई.

मेरी आंख कब लग गई, पता भी नहीं चला. जब नींद खुली तो देखा कि आधे घंटे से ज्यादा हो गया, पर काजल अभी भी नीचे नहीं आई थी.

मैंने ऊपर जाकर देखने का सोचा.
मैं चुपचाप सीढ़ियों से ऊपर जाने लगा. देखा तो रूम का दरवाजा थोड़ा खुला हुआ था. मैंने सोचा काजल सो गई होगी, पर नजदीक जाकर देखा, तो वो मोबाइल में कुछ देख रही थी. दूसरा हाथ उसकी लैगीज के ऊपर था.

मैंने थोड़ी देर रुक कर देखा, तो उसकी आंखें बंद हो रही थीं, पर अभी भी वो मोबाइल में कुछ देख रही थी. रूम का दरवाज़ा थोड़ा खोल कर मैं सीधा उसके सामने खड़ा हो गया. उसकी आंखें अभी भी बंद थीं. थोड़ी देर रुक कर मैं काजल के नजदीक गया और मोबाइल में देखने लगा, तो कल रात मेरी जानू ने जो फोटो खींची थीं, वो वही देख रही थी.

मेरे मुँह से एक कातिल मुस्कान निकल गई और मैंने मोबाइल उसके हाथ से ले लिया. मोबाइल हाथ में से जाते ही उसका ध्यान भंग हुआ.

काजल एकदम से सकपका गई और वो मोबाइल वापस देने के लिए मुझसे कहने लगी. पर मैं उसको मोबाइल वापस नहीं दे रहा था. वो मुझसे मोबाइल लेने के लिए मुझ पर झपटी, उसी खींचातानी में वो मेरे ऊपर गिर गई और मेरे सामने उसका चेहरा आ गया.

मैं तो मोबाइल में उसके फोटो देखने में ही व्यस्त था. एक बार फिर उसने मोबाइल खींचने की कोशिश की, पर नाकामयाब रही.
मेरे मुँह में से निकल गया- वाह काजल, क्या मस्त फिगर है.

वो शर्मा कर भागने लगी, पर मैंने उसका हाथ पकड़ लिया और वो वापस मेरे ऊपर आ गई. हम दोनों में से कोई कुछ नहीं बोल रहा था. बस एक दूसरे को देख रहे थे.

थोड़ी देर बाद मैंने अपने होंठ काजल के होंठ के ऊपर लगा दिए और उसके होंठों का रस पीने लगा.
काजल ने कोई ख़ास विरोध नहीं किया.

अब मुझसे बर्दाश्त नहीं हो रहा था. मैंने काजल को मेरी बांहों में भर लिया और उसके नर्म होंठों को चूसने लगा. हमें किस करते हुए दस मिनट से ज्यादा हो गया था, पर काजल अभी भी मुझसे छूटने की कोशिश कर रही थी.

धीरे धीरे काजल का विरोध भी काफी हद तक कम हो गया था पर अब भी वो खुद से कुछ नहीं कर रही थी. मैंने आगे बढ़ने की सोची और फिर एक हाथ उसकी एक चूची पर रख दिया. मैं धीरे धीरे उसकी चूची को उसके कपड़ों के ऊपर से ही दबाने लगा.

मुझे काजल की गर्म सांसें महसूस हो रही थीं. वो अब मेरा विरोध भी नहीं कर रही थी. थोड़ी देर बाद मैंने काजल को साइड में लिटा दिया. मैंने उसकी कुर्ती के आगे के दो बटन खोल दिए और काजल के सीने पर मेरा हाथ फिराने लगा.

मैं काजल के गले को चूम रहा था, तो कभी उसके कान को चूम रहा था. वो बार बार मना कर रही थी, पर मैं कहां रुकने वाला था. मैंने धीरे धीरे करके कुर्ती के बाकी बचे बटन भी खोल दिए. मुझे काजल की ब्रा साफ़ दिख रही थी.

काजल ने अभी वही ब्रा और पैन्टी पहनी हुई थी, जो मैंने उसके लिए अपनी जानू से उसको भेजी थी.
यह देख कर मेरा लंड भी फड़फड़ाने लगा और मेरी पैन्ट फाड़कर बाहर आने के लिए मचलने लगा. काजल की दोनों चूचियां अभी भी ब्रा के अन्दर थीं. मैंने उसकी कुर्ती का कॉलर साइड में किया और दोनों चूची को ब्रा समेत बाहर निकाल दिया.

मैं उसकी मस्त चूचियों को देख कर इतना ही बोल पाया- वाओऊऊ क्या मस्त चूचियां हैं … लगता है ऊपर वाले ने बहुत प्यार से इनको बनाया है.
इतना सुनते ही काजल की आंख शर्म से बंद हो गईं और वो फिर से बोली- प्लीज ननदोई जी, छोड़ दो मुझे. कोई देख लेगा तो बहुत बदनामी होगी हमारी.
पर मैं तो बेशर्मों की तरह काजल को देखता ही रहा.

मैंने काजल से पूछा- कैसी लगी मेरी चॉइस ?
वो शर्मा कर आंख बंद करके बोली- आप बड़े बेशर्म हो.

मेरे वापस पूछने पर उसने जवाब दिया- आप अपनी मैडम से ही पूछ लेना.
मैं बेशर्म बनते हुए बोला- मेरी लाई हुई ब्रा तेरी ननद ने थोड़ी ही पहनी है कि मैं उससे पूछूँ. जिसने पहनी है, मैं तो उसी से ही पूछूंगा ना !

इतना बोलकर मैं उसकी दोनों चूचियों के बीच की जगह पर चूमने लगा. वो कसमसाते हुए वापस मुझे मना करने लगी. पर इस बार मैं चूमते हुए एक हाथ से काजल की चूची को भी दबाने लगा. साथ ही मैं अपने दूसरे हाथ से उसकी कमर को भी सहलाए जा रहा था.

काजल अभी भी मन से मेरा साथ नहीं दे रही थी.
मैंने उससे फिर से पूछा- मुझे जब तक जवाब नहीं मिलेगा, मैं ऐसे ही तुमको परेशान करता रहूँगा.
तो फाइनली उसने जवाब दिया- काश मेरा पति भी कभी मेरे लिए ऐसी ब्रा और पैन्टी लाता.

मैं बोला- ऐसे नहीं … तुमको खुलकर बताना पड़ेगा.
फिर उसने जवाब दिया- आपकी चॉइस एकदम परफेक्ट है, आपकी लाई हुई ब्रा पैन्टी, इनको पहनने के बाद मैं कल से न जाने कितनी बार आईने में खुद को देखकर अपने आपको एक मॉडल जैसा महसूस कर रही हूँ.

इतना बोल कर काजल ने अपनी आंखें बंद कर लीं. मेरे लिए उसके मुँह से यही सुनना काफी था. मैं वापस काजल के होंठ चूसने लगा.

इस बार वो मेरा साथ दे रही थी और वो भी मुझे लिप किस करने लगी थी. अब मैंने अपना एक हाथ ले जाकर उसकी एक चूची पर रख दिया और धीरे धीरे दबाने लगा. थोड़ी देर में मुझे काजल की गर्म सांसें महसूस हुईं. इससे मुझे उत्तेजना हुई और मैं नीचे की साइड में बढ़ने लगा.

मैं काजल की गर्दन पर लगातार किस कर रहा था, साथ में मेरा एक हाथ अब उसकी ब्रा के अन्दर घुस चुका था और उसकी चूची की कड़क घुंडी को हाथ में लेकर मसलने लगा था. जैसे ही मैंने काजल की घुंडी को मसला, तो उसके मुँह से एक मादक सिसकारी निकल गई- अह्ह्ह … शी … अह्ह्ह …

अब मैंने देर न करते हुए उसकी एक चूची ब्रा में से बाहर निकाल ली. काजल की दोनों चूचियां एक छोटे सफ़ेद पर्वत की तरह लग रही थीं. एकदम सुन्दर और भरी हुई चूचियां देख कर मेरा लंड तन्नाने लगा था. मैं उसकी दोनों चूचियों के ऊपर काले रंग की घुंडी को प्यार से देखने लगा. उसकी जवानी से लबरेज चूचियां एकदम क़यामत लग रही थीं.

उधर काजल की सांसें धौंकनी की तरह चल रही थीं, जिसकी वजह से उसकी दोनों चूचियां बहुत तेज़ी से ऊपर नीचे हो रही थीं.

कुछ ही पलों में मेरा मुँह उसकी एक चूची पर लग गया था और दूसरी चूची पर मेरा हाथ घुंडी मसलने में लगा था. इस तरह का दो तरफ़ा हमला वो सह नहीं पा रही थी. मैं अभी भी उसकी चूची पर सिर्फ किस कर रहा था. उसकी घुंडी को अभी तक मेरे होंठ से छुआ भी नहीं था.

मैं काजल को थोड़ा तड़पा कर और गर्म करके उसके मुँह से बुलवाना चाह रहा था कि मुझे चोद दो.

कुछ ही देर में काजल ने अपने पैर पटकना चालू कर दिए और वो कामुकता से भरी मादक सिसकारी भी निकाल रही थी. मैं अभी भी उसकी चूची को एक हाथ से दबा रहा था और मेरा हाथ उसकी दूसरी चूची की घुंडी के इर्द गिर्द चूम रहा था.
मुझे काजल को तड़पाने में मज़ा आ रहा था. मैंने अब आगे बढ़ते हुई काजल की कुर्ती निकाल दी. अब काजल ऊपर से सिर्फ ब्रा में रह गई थी.

धीरे धीरे मैंने उसकी दोनों चूचियों को छोड़कर उसके सपाट पेट पर चूमना चालू कर दिया. मैं उसके चिकने पेट को चूमते हुए आगे को बढ़ गया. फिर मैंने काजल की नाभि के अन्दर मेरी जीभ घुसा कर उसकी नाभि की चुसाई करना चालू कर दी.
वो सिर्फ इतना ही बोल पायी- ओह्ह ननदोई जी प्लीज …

उसके बाद तो उसके मुँह से एक और लम्बी कामुक सी सिसकी निकल गई- अह्ह्ह् शह्ह्ह्ह … ओह्ह … आप तो मुझे मार ही दोगे.

मैं उसकी नाभि के इर्द गिर्द मेरी जीभ घुमा रहा था और काजल अब आउट ऑफ़ कण्ट्रोल हो रही थी. पर मैं आगे को बढ़ा और नीचे जाने लगा.
फिर मैं काजल की लैगीज तक पहुंच गया. मैंने आगे बढ़ कर उसकी लैगीज की इलास्टिक में उंगली फंसाकर लैगीज को धीरे धीरे निकाल दी.

इसके बाद तो मानो काजल की उफनती जवानी का जलवा ही मेरे सामने बिखर रहा था. काजल मेरे सामने सिर्फ ब्रा और पैंटी में थी. उसकी दोनों आंखें अभी भी बंद थीं और वो हांफ रही थी.

मेरे लाए नई ब्रा और पैन्टी सैट पहनकर काजल आज एक अप्सरा से भी ज्यादा खूबसूरत और सेक्सी लग रही थी.

मैं फिर से काजल के ऊपर की तरफ आ कर वापस उसके होंठ चूसने लगा. एक हाथ से मैं काजल की चूची को मसलने लगा और दूसरे हाथ पैन्टी के ऊपर से काजल की चूत को सहलाने लगा.

मेरे तीन तरफ़ा हमले से काजल की हालत ख़राब हो गई. काजल भी अब पूरे जोश में आ चुकी थी और इतनी तेज़ सीत्कार निकाल रही थी कि मेरी भी हालत ख़राब हो गई.

मैंने आखिरी हमला किया, काजल के होंठ को छोड़ कर मैंने उसकी ब्रा निकाल दी. आह … उसके मचलते कबूतर हवा में फुदकने लगे. काजल ऊपर से बिल्कुल नंगी हो चुकी थी और उसकी तेज़ धड़कनों की वजह से उसकी दोनों चूचियां बहुत तेज़ी से ऊपर नीचे हो रही थीं.

आज मेरा ख्वाब पूरा होने जा रहा था, उसकी जिन चूचियों को मैं पिछले कई दिनों से सपनों में देख कर मुठ मारा करता था, आज वो साक्षात मेरे सामने उछल उछल कर अपनी रंगीनी बिखेर रही थीं. ऐसा नहीं है कि मैंने अपनी बीवी की चूचियों का मजा न लिया हो, पर जिसकी मुराद मन में हो उसकी चूचियों को देख कर कौन न पागल हो जाए.

मैंने काजल की एक चूची पर हाथ रखा और दूसरी चूची के निप्पल को मुँह में भर लिया. काजल की चूची इतनी बड़ी थी कि मेरा पूरा मुँह भर गया. जैसे ही मैंने घुंडी को चूसना शुरू किया, काजल के मुँह से एक तेज और मादक सिसकारी निकल पड़ी- उम्म्ह… अह्ह… हय… याह…

उसकी ये सीत्कार इतनी तेज़ थी कि अगर कोई नीचे होता, तो पक्के में आवाज़ सुनकर ऊपर आ जाता.

मैं एक चूची को छोड़कर दूसरी चूची पर टूट पड़ा और दूसरे हाथ से काजल की पैन्टी को निकाल कर उसे बेड पर गिरा दिया दी. अब काजल मेरे सामने मादरजात नंगी बेड पर पड़ी थी. मेरा हाथ अब काजल की चूत पर घूम रहा था और वो अब आउट ऑफ़ कण्ट्रोल हो रही थी. मैं धीरे धीरे काजल की चूत की ओर बढ़ रहा था.

तभी मैंने हल्के से काजल की चूत का दाना मसल दिया, उसी के साथ उसके मुँह से और एक तेज़ सिसकारी निकल गई ‘ओह्ह्ह्ह माँआ … शह्ह्ह … अह्ह्ह्ह … ओह्ह्ह्ह … मत तड़फओ.

मेरा ये खेल चालू किए अभी आधे घंटे से ज्यादा हो गया था. मैं देर ना करते हुए काजल की चूत के ऊपर उंगली घुमाने लगा. काजल की चूत बहुत ही पानी छोड़ रही थी. काजल की चूत से पानी इतना ज्यादा निकल रहा था कि उस पानी ने उसकी जांघों से बह कर चादर को भी भिगो दिया था.

काजल से अब रहा नहीं जा रहा था. वो कभी अपने हाथ पैर पटक रही थी, तो कभी चादर को अपनी मुट्ठी में लेकर खींच रही थी. काजल की मादक सिसकारियां तो बढ़ती ही जा रही थीं.

थोड़ी देर बाद मैंने एक उंगली उसकी चूत की फांकों में डाल दी और धीरे धीरे उंगली को अन्दर बाहर करने लगा. काजल कुछ बोल नहीं रही थी, पर मुझे लग रहा था कि अब लंड पेलने का टाइम आ गया है. पर मैं अभी भी वेट कर रहा था और मुझे काजल के मुँह से सुनना था.

मैंने काजल के पैर फैलाए और उसकी टांगों के बीच में आ गया. मैंने उसकी चूत पर मेरी जीभ रख दी और काजल की चूत का अमृतरस पीने लगा. मेरी जीभ काजल के चूत के दाने को हल्की सी मसाज करने लगी. वो बुरी तरह से मचल रही थी. उसने अपनी टांगें खुद ब खुद पूरी तरह से फैला दी थीं.

थोड़ी देर बाद मैंने दाने को मेरे मुँह में लिया और खींचते हुए चूसने लगा. मेरी जीभ काजल की चूत की चुदाई करने में लग गई थी. जैसे ही मेरी जीभ चूत के अन्दर गई, उसकी सिस्कारियां तेज़ हो गईं और उसके मुँह से ‘अह्ह्ह्ह … मर गई … ओह्ह’ जैसी आवाजें निकल रही थीं.

कुछ ही पलों में वो एकदम मदहोश हो गई और उसके दोनों हाथ मेरे सर के ऊपर आ गए थे. वो अपने दोनों हाथों से मेरा सर अपनी चूत पर दबाए जा रही थी.

मैं भी मेरी जीभ की नोक काजल की चूत में और गहराई तक डालने लगा और दोनों हाथों से काजल की चूचियों को बेदर्दी से दबाने लगा. मेरे ऐसा करने से काजल ने दोनों पैर मेरे सर पर दबा दिए और एक तेज़ सिसकारी निकाली ‘अह्ह्ह्ह … शह्ह्ह्ह … ओह्ह … हीईईई … मैं मर गई … ओह्ह्ह्ह.
वो अकड़कर सीत्कारते हुए झड़ गई. उसने मुझे तब तक नहीं छोड़ा, जब तक चूत का पूरा रस निकल ना गया.

उसकी चूत का रस निकल जाने के बाद भी मैं उसकी चूत को चाटता रहा, जिसका नतीजा ये निकला कि वो फिर से गर्म हो गई,

काजल आंखें बंद करके अभी भी हांफ रही थी. तभी मैंने अपने कपड़े निकाले और काजल के ऊपर छा गया. मेरा लंड काजल की चूत को छू रहा था. मैं तो चूत में लंड डालने के लिए मानो तड़प रहा था. पर अब भी मैं काजल के मुँह से सुनना चाहता था.

थोड़ी देर मैंने लंड से चूत के ऊपर घिसाई की, पर लंड पर चूत में नहीं डाला. काजल से बर्दाश्त नहीं हो रहा था, पर फिर भी वो अपने दोनों होंठ भींच कर अपने आपको कण्ट्रोल कर रही थी. इधर मैं सुकून से उसकी तड़फ का मज़ा ले रहा था.

मैंने लंड काजल की चूत पर से हटा दिया और जैसे कि किसी ने उसका प्यारा खिलौना ले लिया हो.
वो चीखते हुए बोली- हटा क्यों लिया … डाल भी दो ना अब !
मैं अब भी कुछ नहीं कर रहा था. मैंने काजल से पूछा- क्या डाल दूँ ?
वो मुझसे कुछ गुस्से में और कुछ घिघियाते हुए सी बोली- जीजू प्लीज डाल दो ना … मज़ाक मत करो.
मैंने फिर से पूछा- क्या डाल दूँ.
उसने गुस्से में आकर कहा- क्या मतलब क्या डाल दूँ … तुम अपना लंड मेरी चूत में डाल

दो न !

काजल इतना ही बोल पाई, तभी मैंने उसकी चूत की फांकों पर लंड सैट करके एक तेज़ शॉट दे मारा. मेरा छह इंच का लंड सीधा काजल की चूत में अन्दर तक सरक कर सीधा बच्चेदानी पर जाकर टकराया.
काजल के मुँह से और एक तेज़ आह निकली- अह्ह्ह् ओह्ह्ह शह्ह्ह्ह. …

अब काजल मुझे मेरे नाम से बुला रही थी और बोल रही- ओह्ह् जिग्गू … माँआअ … मार डाला … ओह्ह मेरे राजा अब चोद दो अपनी रानी को … आह और तेज़ पेलो … और तेज़ … अह्ह्ह्ह ओह्ह्ह …

काजल की चूत में मैंने तेज़ तेज़ धक्के मारना चालू किए और उसी के साथ काजल की कामुक चुदास से भरी सिस्कारियां पूरे रूम में गूंजने लगीं. मैं काजल को बहुत बेदर्दी से चोद रहा था और उसकी दोनों चूचियों को अपनी मुट्ठियों में भर कर मसल रहा था.

काजल कुछ ही देर में पसीने से पूरी भीग चुकी थी. उसकी गर्म सांसें धौंकनी की तरह चल रही थीं.

उसकी चूत को चोदते हुए मेरे दिमाग में एक खुराफाती आईडिया आया. अचानक मैंने धक्के मारना बंद कर दिए. काजल की आंखें अभी भी बंद थीं और वो बोल रही थी- रुक क्यों गए … प्लीज चोदो ना मुझे !

मैं- तुम मेरी आंखों में आंखें डाल कर मेरा साथ दोगी, तो ही मैं चोदूँगा.
मेरी बात सुन कर काजल ने ना में सर हिला दिया.
मैं भी अपना मोटा लंड ऐसे ही उसकी चूत में डाल कर पड़ा था, मैं कुछ नहीं कर रहा था.

थोड़ी देर बाद काजल ने आंख खोल कर मुझे बोला- जानू प्लीज चोदो ना अब नहीं सहा

जाता !
अब वो मेरी आंखों में देख रही थी. मैंने वापस तेज़ी से काजल की चूत में धक्के मारना चालू कर दिए.

काजल अपनी नशीली आंखों से खुद की चुदाई होते देख रही थी और वो अपने मुँह से तेज़ तेज़ सिसकारी निकाल रही थी- अह्ह्ह … ओह्ह्ह मेरे राजा … चोद दे अपनी रानी को … अह्ह्ह्ह ओह्ह शह्ह्ह … और तेज़ धक्के मारो न … तेरी रानी की चूत में बड़ी खुजली है … अह्ह्ह … निकाल दे अपनी रानी की चूत का पूरा पानी … आह मजा आ गया … आह.

काजल की चूत मारते हुए मुझे करीबन पन्द्रह मिनट से ज्यादा टाइम हो चुका था. काजल के चेहरे से अब फिर से पहले जैसे भाव बदल रहे थे. दस पन्द्र धक्कों के बाद काजल फिर से चिल्लाई और उसने अकड़कर मुझे कस कर अपनी बांहों में भर लिया- आह राजा … मैं गई !

उसकी आवाज सुनकर मैं भी तेज़ तेज़ धक्के मारने लगा था और काजल भी मेरे साथ चीख रही थी. कुछ बीसेक तेज़ धक्कों से काजल की हालत पतली हो गई. मेरा भी रस निकलने वाला था.
मैंने काजल से पूछा- जल्दी बताओ … कहां निकालूँ ?
वो मचलते और गांड उठाते हुए बोली- आह … मेरी चूत में ही निकाल दो … मैं तुम्हारे बच्चे की माँ बनना चाहती हूँ.

काजल के इतना बोलते ही मैंने एक ज़ोरदार शॉट मारा और उसकी चूत में मेरा वीर्य निकलने लगा. काजल की चूत मेरे वीर्य से भर गई … और उसके साथ ही काजल भी और एक बार मेरे साथ ही झड़ गई.

चुदाई की मस्ती के हम दोनों एक दूसरे आंख नहीं मिला पा रहे थे. मैंने काजल की आंखों में देखा, तो वो रो रही थी.
मेरे पूछने पर बोली- कुछ नहीं आज पता चला मेरी ननद कितनी नसीब वाली है कि उसे आपके जैसा पति मिला है. आपके साथ बिताया ये एक एक पल में जिंदगी भर याद रखूँगी.

मैं काजल से चिपक गया और वापस उसकी एक चूची को मुँह में लेकर चूसने लगा. काजल मुझे मना कर रही थी, पर मैं कहां मानने वाला था.
काजल बोली- अब छोड़ो मुझे … कोई आ जाएगा.

पर जैसे कि मुझे कुछ सुनाई ही नहीं दे रहा था.
अचानक काजल ने मुझे धक्का मारा और मैं उसकी साइड में बेड पर गिर गया. अब वो मेरे ऊपर आ गयी और मेरे ऊपर चढ़ गई. मुझे कुछ समझ में ही नहीं आया कि अचानक काजल को क्या हो गया.

वो मुझे घूर रही थी. काजल मेरी छाती पर चूम रही थी और फिर अचानक एक भूखी शेरनी की तरह वो सीधे मेरे लंड पर टूट पड़ी. उसने मेरे लंड को हाथ में लेकर ज़ोर से दबा दिया और फिर लंड के ऊपर एक के बाद एक कई किस कर दिए. उसके उतना करते ही मेरे मुँह से हल्की सी सिसकारी निकल गई.

तभी काजल ने मेरे लंड को मुँह में ले लिया और ज़ोर ज़ोर से चूसने लगी. मेरी तो हालत ख़राब हो रही थी. मेरी तो मानो बोलती ही बंद हो गई थी. मैं न तो कुछ बोल पा रहा था और न ही कुछ कर पा रहा था. बस मैं काजल की लंड चुसाई का मज़ा ले रहा था.

करीब पांच मिनट की चुसाई के बाद मैंने काजल का सर पकड़ा और मेरे लंड को उसके गले की गहराई तक पहुंचाने लगा. मैंने एक जोरदार सिसकारी लेकर एक बार काजल के मुँह में ही झड़ने लगा. जब तक मेरा पूरा वीर्य काजल के गले के नीचे नहीं उतर गया, तब तक मैंने

अपना बेकाबू लंड काजल के मुँह से बाहर नहीं निकाला.

काजल मेरा पूरा वीर्य पी गई और गीली जीभ से लंड को चाट चाट के पूरा साफ़ कर दिया.
फिर वो बिना कुछ बाथरूम में चली गई और अपने कपड़े पहन कर नीचे चली गई.
करीब आधे घंटे बाद मेरी वाइफ और सासू जी भी मार्किट से वापस लौट आए.

इसके बाद भी काजल के संग मेरी चुदाई के किस्से जारी हैं. आप पहले कृपया अपने सुझाव नीचे लिखे मेल करें, तब ही मैं इसके आगे की दास्तान आपके लिए लिखूंगा.
james5078@yahoo.com

Other stories you may be interested in

अम्मी को चुदवाकर उनका अकेलापन दूर किया-1

प्रिय पाठको, जैसा कि आपको पता है कि आपकी प्रिय साईट अन्तर्वासना का नाम बदल कर antarvasna2.com हो गया है. लेकिन हमारे काफी सारे पाठक इस बदलाव से अनभिज्ञ हैं और वे अन्तर्वासना की कहानियाँ पढ़ नहीं पा रहे. आप […]
Full Story >>>

मेरी सलहज की मदभरी जवानी के मजे-1

नमस्कार दोस्तो, कृपया अपने अपने लंड हाथ में थाम कर बैठिए. आज मैं अपनी पहली सच्ची कामुक घटना बताने जा रहा हूँ. यह बात उन दिनों की है, जब मेरी शादी हुई थी. उस वक़्त तो सब नार्मल चल रहा […]
Full Story >>>

जाट छोरे नै जाट छोरी की सीलपैक चूत चोदी-2

मेरी सेक्स स्टोरी के पहले भाग जाट लड़के ने जाट लड़की की सीलपैक चूत चोदी-2 में अब तक आपने पढ़ा कि मेरे साथ कोचिंग में पढ़ने वाले एक लड़के अमित से मेरी लव स्टोरी चलने लगी थी. अब आगे : अगले […]
Full Story >>>

मेरी पहली गांड की चुदाई पड़ोसी अंकल के साथ

नमस्कार दोस्तो, यह कहानी मेरे मित्र अमित की है. उसकी कलम से कहानी का मजा लीजिएगा. हैलो, मेरा नाम अमित है, मैंने अन्तर्वासना डॉट कॉम पर कई कहानियां पढ़ी हैं. आज मैंने भी सोचा कि क्यों ना मैं भी अपनी […]
Full Story >>>

बुआ के साथ पहली चुदाई भरी रात

दोस्तो, मेरा नाम ऋषभ है और मैं कानपुर के एक छोटे से कस्बे से हूं. मैं 20 साल का हूं और अभी पढ़ाई पूरी करके जॉब की तलाश हूं. मैं थोड़ा सांवला हूं और मेरी हाईट 5 फुट 7 इंच […]
Full Story >>>